दिनांक 12/7/2021 को अग्रवाल महाविद्यालय में आंतरिक शिकायत कमेटी (आई०सी०सी०) के तत्वावधान में एक दिवसीय वेबिनार का आयोजन किया गया। महाविद्यालय प्राचार्य डॉ o कृष्णकांत गुप्ता के मार्गदर्शन में छात्राओं एवं प्राध्यापिकाओं के मानसिक एवं भौतिक सुरक्षात्मक विकास एवं कल्याण हेतु अनेकानेक कार्यक्रम महाविद्यालय में आयोजित किए जाते हैं , इसी श्रंखला में यह वेबीनार आयोजित किया गया। इस वेबीनार में मुख्य वक्ता के रूप में एडवोकेट नीना शर्मा (जिला स्तरीय कानूनी सलाहकार)तथा एडवोकेट उमा चौहान (कानूनी सलाहकार जिला स्तरीय)उपस्थित रहे। वार्ता का विषय "कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न से सुरक्षा" रहा। कार्यक्रम का आरंभ डॉ० रेनू माहेश्वरी के द्वारा किया गया। उन्होंने सभी का सादर अभिवादन किया और युग नायक एवं राष्ट्र निर्माता स्वामी विवेकानंद की पंक्ति से कार्यक्रम का प्रारंभ किया:"किसी भी राष्ट्र की प्रगति का सर्वोत्तम थर्मामीटर है -वहां की महिलाओं की स्थिति।"तत्पश्चात कार्यक्रम संयोजिका श्रीमती कमल टंडन ने प्राचार्य जी को प्रेरणा स्रोत बताते हुए उनका धन्यवाद प्रकट किया तथा कहा कि विद्यार्थियों का कार्यस्थल महाविद्यालय ही है। यदि किसी भी विद्यार्थी को महाविद्यालय परिसर में उत्पीड़न संबंधित शिकायत है तो वह आई०सी०सी० कमेटी को दर्ज करवा सकता है।डॉ o डिंपल द्वारा सर्वप्रथम एडवोकेट नीना शर्मा को आमंत्रित किया गया। एडवोकेट नीना शर्मा ने पॉश (POSH)एक्ट कब क्यों और कैसे बना इस पर विस्तृत प्रकाश डाला तथा आई o सी०सी० की महत्ता बताते हुए उसकी प्रक्रिया पर विस्तारपूर्वक चर्चा की। इसके पश्चात एडवोकेट उमा चौहान ने चंद पंक्तियों से अपना वक्तव्य आरंभ किया। उन्होंने कहा "लुटेरा है अगर आजाद, तो अपमान सबका है, लुटी है एक बेटी, तो अपमान सबका है।"

तत्पश्चात उन्होंने नारी सुरक्षा से संबंधित कमेटियों और कानूनी प्रावधानों पर विस्तृत चर्चा की । साथ ही उन्होंने विभिन्न प्रकार की शिकायतें किस प्रकार की जाए इस पर विस्तृत रूप से प्रकाश डाला।

दोनों वक्ताओं ने प्रतिभागियों की प्रश्न उत्तर के माध्यम से जिज्ञासाओं का समाधान किया।

यह कार्यक्रम संयोजिका श्रीमती कमल टंडनएवं कार्यकारिणी सदस्य डॉ o उषा अग्रवाल, डॉo नरेश कामरा, डॉo गीता गुप्ता, डॉo मीनू अग्रवाल, डॉo रेनू माहेश्वरी एवं डॉo डिंपल के सहयोग से सफल रहा। विभिन्न संस्थानों एवं महाविद्यालयों से लगभग 150 प्रतिभागियों ने इस वेबीनार में भाग लिया और लाभान्वित हुए। डॉ o नरेश कामरा के धन्यवाद ज्ञापन से इस वेबीनार का सफल समापन हुआ।